





۱۹۱۰	۱۳۲۹	۱۳۲۸	۱۳۲۷	۱۳۲۶	۱۳۲۵	۱۳۲۴	۱۳۲۳	۱۳۲۲	۱۳۲۱	۱۳۲۰	۱۳۱۹	۱۳۱۸	۱۳۱۷	۱۳۱۶	۱۳۱۵	۱۳۱۴	۱۳۱۳	۱۳۱۲	۱۳۱۱	۱۳۱۰	۱۳۰۹	۱۳۰۸	۱۳۰۷	۱۳۰۶	۱۳۰۵	۱۳۰۴	۱۳۰۳	۱۳۰۲	۱۳۰۱	۱۳۰۰	۱۲۹۹	۱۲۹۸	۱۲۹۷	۱۲۹۶	۱۲۹۵	۱۲۹۴	۱۲۹۳	۱۲۹۲	۱۲۹۱	۱۲۹۰	۱۲۸۹	۱۲۸۸	۱۲۸۷	۱۲۸۶	۱۲۸۵	۱۲۸۴	۱۲۸۳	۱۲۸۲	۱۲۸۱	۱۲۸۰	۱۲۷۹	۱۲۷۸	۱۲۷۷	۱۲۷۶	۱۲۷۵	۱۲۷۴	۱۲۷۳	۱۲۷۲	۱۲۷۱	۱۲۷۰	۱۲۶۹	۱۲۶۸	۱۲۶۷	۱۲۶۶	۱۲۶۵	۱۲۶۴	۱۲۶۳	۱۲۶۲	۱۲۶۱	۱۲۶۰	۱۲۵۹	۱۲۵۸	۱۲۵۷	۱۲۵۶	۱۲۵۵	۱۲۵۴	۱۲۵۳	۱۲۵۲	۱۲۵۱	۱۲۵۰	۱۲۴۹	۱۲۴۸	۱۲۴۷	۱۲۴۶	۱۲۴۵	۱۲۴۴	۱۲۴۳	۱۲۴۲	۱۲۴۱	۱۲۴۰	۱۲۳۹	۱۲۳۸	۱۲۳۷	۱۲۳۶	۱۲۳۵	۱۲۳۴	۱۲۳۳	۱۲۳۲	۱۲۳۱	۱۲۳۰	۱۲۲۹	۱۲۲۸	۱۲۲۷	۱۲۲۶	۱۲۲۵	۱۲۲۴	۱۲۲۳	۱۲۲۲	۱۲۲۱	۱۲۲۰	۱۲۱۹	۱۲۱۸	۱۲۱۷	۱۲۱۶	۱۲۱۵	۱۲۱۴	۱۲۱۳	۱۲۱۲	۱۲۱۱	۱۲۱۰	۱۲۰۹	۱۲۰۸	۱۲۰۷	۱۲۰۶	۱۲۰۵	۱۲۰۴	۱۲۰۳	۱۲۰۲	۱۲۰۱	۱۲۰۰	۱۱۹۹	۱۱۹۸	۱۱۹۷	۱۱۹۶	۱۱۹۵	۱۱۹۴	۱۱۹۳	۱۱۹۲	۱۱۹۱	۱۱۹۰	۱۱۸۹	۱۱۸۸	۱۱۸۷	۱۱۸۶	۱۱۸۵	۱۱۸۴	۱۱۸۳	۱۱۸۲	۱۱۸۱	۱۱۸۰	۱۱۷۹	۱۱۷۸	۱۱۷۷	۱۱۷۶	۱۱۷۵	۱۱۷۴	۱۱۷۳	۱۱۷۲	۱۱۷۱	۱۱۷۰	۱۱۶۹	۱۱۶۸	۱۱۶۷	۱۱۶۶	۱۱۶۵	۱۱۶۴	۱۱۶۳	۱۱۶۲	۱۱۶۱	۱۱۶۰	۱۱۵۹	۱۱۵۸	۱۱۵۷	۱۱۵۶	۱۱۵۵	۱۱۵۴	۱۱۵۳	۱۱۵۲	۱۱۵۱	۱۱۵۰	۱۱۴۹	۱۱۴۸	۱۱۴۷	۱۱۴۶	۱۱۴۵	۱۱۴۴	۱۱۴۳	۱۱۴۲	۱۱۴۱	۱۱۴۰	۱۱۳۹	۱۱۳۸	۱۱۳۷	۱۱۳۶	۱۱۳۵	۱۱۳۴	۱۱۳۳	۱۱۳۲	۱۱۳۱	۱۱۳۰	۱۱۲۹	۱۱۲۸	۱۱۲۷	۱۱۲۶	۱۱۲۵	۱۱۲۴	۱۱۲۳	۱۱۲۲	۱۱۲۱	۱۱۲۰	۱۱۱۹	۱۱۱۸	۱۱۱۷	۱۱۱۶	۱۱۱۵	۱۱۱۴	۱۱۱۳	۱۱۱۲	۱۱۱۱	۱۱۱۰	۱۱۰۹	۱۱۰۸	۱۱۰۷	۱۱۰۶	۱۱۰۵	۱۱۰۴	۱۱۰۳	۱۱۰۲	۱۱۰۱	۱۱۰۰	۱۰۹۹	۱۰۹۸	۱۰۹۷	۱۰۹۶	۱۰۹۵	۱۰۹۴	۱۰۹۳	۱۰۹۲	۱۰۹۱	۱۰۹۰	۱۰۸۹	۱۰۸۸	۱۰۸۷	۱۰۸۶	۱۰۸۵	۱۰۸۴	۱۰۸۳	۱۰۸۲	۱۰۸۱	۱۰۸۰	۱۰۷۹	۱۰۷۸	۱۰۷۷	۱۰۷۶	۱۰۷۵	۱۰۷۴	۱۰۷۳	۱۰۷۲	۱۰۷۱	۱۰۷۰	۱۰۶۹	۱۰۶۸	۱۰۶۷	۱۰۶۶	۱۰۶۵	۱۰۶۴	۱۰۶۳	۱۰۶۲	۱۰۶۱	۱۰۶۰	۱۰۵۹	۱۰۵۸	۱۰۵۷	۱۰۵۶	۱۰۵۵	۱۰۵۴	۱۰۵۳	۱۰۵۲	۱۰۵۱	۱۰۵۰	۱۰۴۹	۱۰۴۸	۱۰۴۷	۱۰۴۶	۱۰۴۵	۱۰۴۴	۱۰۴۳	۱۰۴۲	۱۰۴۱	۱۰۴۰	۱۰۳۹
------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------









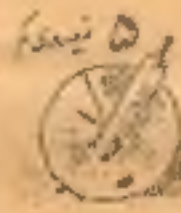


# اناج

Digitized by Khilafat Library Rabwah

## اس وقت صورت حال کیا ہے؟

۱۱۔ گزشتہ چھ سال کے عرصہ میں سات دفعہ اس وقت کیلئے تیار کیا گیا ہے۔



۱۲۔ اناج کی کاشت و ترقیت پانچ فی صدی سے بھی کم ہے یعنی ایک کروڑ روپے کے آٹے چار لاکھ روپے کی خوراک کا صرف بیسواں حصہ۔

## پھر آخری تکلیف و پریشانی کیوں ہے؟

۱۳۔ اس لئے کہ گزشتہ سال اس وقت گزشتہ کئی سال سے زیادہ مالدار ہے۔ اناج کو فروخت کرنے کے بجائے جمع کر رہا ہے۔

۱۴۔ اس لئے کہ شہروں کے لوگ نوجوانوں کے ہاتھ جمانے کے لئے اپنی ضروریات سے زیادہ اناج خرید رہے ہیں۔ اور اپنی آئندہ ضروریات کے لئے جمع کر رہے ہیں۔



۱۵۔ اس لئے کہ خود غرضی تا جبر سے زیادہ تفریق کیا رہے ہیں اور وہ لوگ بھی جو عام طور پر اناج کا بیج بکرتے تھے۔ اس وقت تفریق کی غرض سے اناج کھانا سیکھ رہے ہیں۔

## حکومت کیا کر رہی ہے؟

۱۶۔ جس قدر جلد ہو سکے جہازوں پر اناج بھرنے لگے اور یہ ہے۔ ان سالک سے بھی جہاز اس کو راسخ کر دیا گیا ہے۔ وہ جہاز بھی اس موقع کے لئے فراہم کیے جا رہے ہیں۔ جو سامان



۱۷۔ اناج کو بیکار کرنا اور بیکار کر کے ان کو سخت ضرورتی دیکھ رہی ہے۔ تاکہ ان کا کاروبار قائم ہو جائے۔

۱۸۔ ان علاقوں سے اناج خرید رہی ہے، جہاں پیداوار زیادہ ہے۔ اور اس سے ان علاقوں میں تقسیم

کر رہی ہے۔ جہاں اس کی کمی ہے۔

آپ بھی امداد کر سکتے ہیں

# اناج جمع کرنے کوئی تعلق نہ رکھے



